हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, गुरुवार 30 अप्रैल 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

हेलमेट नहीं तो कार्रवाई तय, मंडला पुलिस का विशेष अभियान जारी

मण्डला। पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक मंडला श्री रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से 10 मई तक विशेष हेलमेट अनिवार्यता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य दोपहिया वाहन चालकों में हेलमेट उपयोग को बढ़ावा देना एवं दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को कम करना है। वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश में बिना हेलमेट दुर्घटनाओं में 6793 लोगों की मृत्यु हुई। वहीं मंडला जिले में वर्ष 2025 में 119 लोगों की मृत्यु बगैर हेलमेट वाहन चलाते हुए दुर्घटना होने से हुई थी। यह दर्शाता है कि हेलमेट न पहनना सीधे जीवन को जोखिम में डालता है। इस परिदृश्य को दृष्टिगत रखते हुए जनवरी और फरवरी में विशेष अभियान चलाते हुए जागरूकता पर फोकस किया गया था और चालानी कार्यवाही न्यूनतम की गई थी जिसके अपेक्षित परिणाम भी आए थे और अधिकांश व्यक्तियों ने हेलमेट पहनना प्रारंभ किया था। वर्तमान में पुनः राज्यव्यापी अभियान के अंतर्गत मंडला पुलिस द्वारा सख्त प्रवर्तन एवं जागरूकता दोनों स्तरों पर कार्यवाही की जा रही है। दो दिवस की कार्रवाई में कुल 434 चालान किया गया तथा 18 प्रकरण लाइसेंस निलंबन के लिए परिवहन विभाग को भेजे गए हैं।

जनगणना 2027: जिले में स्व-गणना अभियान शुरू, नागरिकों से ऑनलाइन जानकारी भरने की अपील

मण्डला। जिला जनगणना अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमति क्षमा सराफ ने जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व-गणना अभियान की शुरुआत करते हुए स्वयं ऑनलाइन गणना पत्रक भरकर नागरिकों से इसमें सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने बताया कि 15 अप्रैल से 30 अप्रैल तक नागरिक घर बैठे मात्र दो मिनट में अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्व-गणना के अंतर्गत आसान प्रश्नों का उत्तर देकर फॉर्म भरा जा सकता है, जिससे 1 मई से 31 मई तक होने वाली घर-घर जनगणना प्रक्रिया अधिक सरल एवं त्वरित हो सकेगी। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सही जानकारी समय पर भरकर जनगणना कार्य में सहयोग करें, ताकि शासन द्वारा बेहतर योजनाओं का निर्माण किया जा सके।

कान्हा प्रबंधन पर सवाल, बाघों की अनदेखी के लग रहे आरोप

तीन शावकों के बाद बाघिन की भी मौत

*** पहले संक्रमण फिर भूख को बताई गई मृत्यु की वजह।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कान्हा टाइगर रिजर्व में 21 से 26 अप्रैल के बीच तीन शावकों की मौत के बाद उनकी मां बाघिन (टी-141) की भी बुधवार को मौत हो गई। मौत के कारणों के पीछे भूख से मौत की आशंका जताई थी, लेकिन बाद में वन विभाग ने फेफड़ों के संक्रमण को इसकी वजह बताया।

सरही जोन से एक वीडियो सामने आया था जिसमें एक शावक बेहद कमजोर नजर आया। वीडियो के आधार पर वन विभाग ने निगरानी बढ़ाने और बाघिन की तलाश शुरू करने की बात कही। हाथी गश्ती दल भी लगाया गया। इसके बावजूद वन विभाग हालात नहीं संभाल पाया। इसके बाद 21 अप्रैल को बड़े अमाही नाले के पास शावक का शव मिला। पोस्टमॉर्टम में उसका पेट खाली पाया गया, जिससे शुरुआती तौर पर भूख को मौत का कारण माना। हालांकि, उसी इलाके में बाघिन अपने अन्य शावकों के साथ देखी गई थी, जिससे सवाल उठे कि अगर मां आसपास थी, तो शावक भूखा क्यों रहा? और फिर 24 अप्रैल को ईंटावारे नाले में दूसरे शावक का शव सड़ी-गली अवस्था में मिला। मामले में भी बाद में भूख से मौत की बात सामने आई। लगातार दो शावकों की मौत ने बाघिन और शेष शावकों की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ा दी थी।

इसी बीच तीसरे शावक की भी मौत 25-26 अप्रैल को हो गई। लेकिन इस बार वन विभाग ने मौत का कारण बदलते हुए फेफड़ों में संक्रमण बताया। इसके बाद विभाग ने बाघिन और एक जीवित शावक को ट्रैंकुलाइज कर मुक्की क्वारंटीन सेंटर में शिफ्ट किया और कल ट्रैंकुलाइज कर मुक्की क्वारंटीन सेंटर लाई गई बाघिन ने भी दम तोड़ दिया। मौत की वजह बीमारी थी कि भूख अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

वन विभाग देता रहा सफाई

वन विभाग के अधिकारियों ने पहले कहा कि शावकों को ऊपरी श्वसन तंत्र (फेफड़ों) का संक्रमण था, जिसके कारण वे खाना नहीं खा पा रहे थे। उप संचालक प्रकाश कुमार वर्मा के अनुसार, रेस्क्यू के बाद जब बाघिन और शावक को इलाज दिया गया, तो करीब 24 घंटे बाद उन्होंने खाना शुरू किया, जिससे बीमारी की पुष्टि होती है। सवाल यह है कि अगर बीमारी थी, तो उसकी पहचान समय रहते क्यों नहीं हो सकी, जबकि 17 अप्रैल को ही कमजोर शावक का वीडियो सामने आ चुका था। कान्हा टाइगर रिजर्व देश के सबसे बेहतर प्रबंधित रिजर्व में गिना जाता है। यहां प्रोजेक्ट टाइगर के तहत हर साल करीब 40 करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं।

इतनी व्यापक व्यवस्था के बावजूद 9 दिन में तीन शावकों और बाघिन की मौत होना, निगरानी तंत्र पर सवाल खड़े करता है।

इन बाघों के चलते सरही गेट पर पर्यटन बढ़ रहा था, स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा था। शावकों की मौत से इस पर भी असर पड़ा है।

टूरिज्म से जुड़े लोगों में भी इसे लेकर चिंता है, क्योंकि शावकों की लगातार मौत से बदनामी हो रही है।

अधिकारियों का कहना है कि समय पर निगरानी के कारण ही बाघिन और एक शावक को बचाया जा सका। विभाग के अनुसार, सभी जरूरी सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि होगी।

लेकिन इन सवालों के जवाब अभी भी नहीं मिल पा रहे हैं कि 17 अप्रैल को कमजोरी का संकेत मिलने के बाद भी बचाव क्यों नहीं हो सका? पोस्टमार्टम में पेट खाली मिलने के बावजूद भूख से मौत से इनकार क्यों? हाईटेक सिस्टम के बावजूद लगातार तीन मौतें कैसे हुईं?

निजी विद्यालयों पर निगरानी के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कलेक्टर (शिक्षा विभाग) जिला मंडला द्वारा निजी विद्यालयों में पाठ्यपुस्तकों, स्कूल ड्रेस एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री की बिक्री को लेकर प्राप्त शिकायतों के मद्देनजर महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों या अभिभावकों पर विशेष दुकानों से सामग्री खरीदने का अनुचित दबाव बनाए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। इसी को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश शासन के निर्देशों के पालन के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। इस समिति में जिला शिक्षा अधिकारी मंडला को अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग मंडला एवं जिला परियोजना समन्वयक (जिला शिक्षा केंद्र) मंडला को सदस्य नियुक्त किया गया है।

गठित समिति समय-समय पर जिले के निजी विद्यालयों का औचक निरीक्षण करेगी और अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इस पहल का उद्देश्य विद्यालयों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना और अभिभावकों को अनावश्यक आर्थिक बोझ से राहत दिलाना है। इस संबंध में आदेश की प्रतिलिपि लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल, राज्य शिक्षा केंद्र, जिला पंचायत मंडला, राजस्व विभाग सहित संबंधित अधिकारियों एवं सभी निजी विद्यालयों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है।

जन अभियान परिषद् ने की देवरी नदी के घाट की सफाई

मण्डला। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद्, विकासखण्ड नारायणगंज के परामर्शदाताओं एवं नवांकुर संस्था के संयुक्त प्रयास से जिला समन्वयक श्री राजेंद्र चौधरी के नेतृत्व में देवरी नदी के घाट की सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान घाट पर एकत्रित काई और कचरे को हटाकर क्षेत्र को स्वच्छ बनाया गया। ग्रामीणों द्वारा प्रतिदिन उपयोग किए जाने वाले इस घाट पर स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से यह पहल की गई, ताकि जल के उपयोग से किसी प्रकार की बीमारी न फैले। इस अवसर पर श्री राजेंद्र चौधरी ने ग्रामीणों से अपील की कि वे सप्ताह में एक दिन निर्धारित कर घाट की नियमित सफाई करें, जिससे स्वच्छता बनी रहे और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचाव हो सके। इस अभियान में परामर्शदाता के रूप में श्री सुरेश सोनी, वीरेंद्र अग्रवाल, सुमित हथाले तथा नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार झारिया, अमरनाथ मरकाम और रोहित बर्मन सहित ग्राम की महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

8 पाक्सो पीड़ितों को मिली स्पॉन्सरशिप योजना का संबल

*** बाल कल्याण समिति ने 60 पाक्सो प्रकरणों में नियुक्त किया है सपोर्ट पर्सन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मिशन वात्सल्य अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल कल्याण समिति के सहयोग से सपोर्ट पर्सन के लिए हर माह प्रशिक्षण सह बैठक आयोजित किया जा रहा है। इस नवाचार के परिणाम अब आने लगे हैं। 8 पाक्सो पीड़ितों के स्पॉन्सरशिप को अनुमोदित किया गया है। स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत चार हजार रुपए प्रतिमाह दिया जाता है। जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित प्रायोजन एवं पालक देखभाल अनुमोदन समिति (एसएफसीएसी) ने स्पांसरशिप के प्रकरण को अनुमोदित किया है। बाल कल्याण समिति के संवेदनशीलता के कारण एक पाक्सो पीड़िता के नवजात को चार दिन में ही पूरी प्रक्रिया कर शिशु गृह सह दत्तक ग्रहण अभिकरण में प्रवेशित कराया गया। पुलिस द्वारा बाल कल्याण समिति जिला मंडला के समक्ष प्रस्तुत 60 पाक्सो प्रकरणों में सपोर्ट पर्सन नियुक्त किया गया है।

माह अप्रैल की समीक्षा बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक संचालक रोहित बड़कुल ने सपोर्ट पर्सन को पीड़िता को संबल प्रदान करने के लिए संवेदनशीलता से गोपनीयता बनाए रखते हुए नियमानुसार कार्य करने का निर्देश दिया। बाल कल्याण समिति मंडला के अध्यक्ष और सदस्य तथा महिला बाल विकास विभाग के सरंक्षण अधिकारी रितेश वघेल ने सपोर्ट पर्सन को आवंटित किए गए पाक्सो प्रकरणों में सपोर्ट पर्सन के द्वारा संपादित किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश जारी किया। बैठक में सपोर्ट पर्सन मुन्नी नंदा, मंगला चौरसिया, सत्यवीर मिश्रा, गीता साहू, रागिनी हरदहा, जैबुनिशा कुरैशी, विद्या मरावी, सत्यनारायण डहेरिया और आकाश दारिया उपस्थित रहे।कार्यक्रम के आयोजन में महिला एवं बाल विकास के सामाजिक कार्यकर्ता के पद पर पदस्थ सौरभ पटवा और डाटा एंट्री डाटा ऑपरेटर दीपक सैयाम की सक्रिय सहभागिता रही।

विदित हो कि मार्च 2025 में पुर्नगठित बाल कल्याण समिति ने पुलिस द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुत 60 प्रकरणों में सपोर्ट पर्सन नियुक्त कर पीड़ितों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने का कार्य प्राथमिकता से किया है।

जिला पंचायत मण्डला में बीएलबीसी बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जिला पंचायत मण्डला में मंगलवार को बैंकर्स की जनपद स्तरीय समन्वय समिति की बैठक अग्रणी जिला प्रबंधक श्री सुजय कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में नाबार्ड के डीडीएम श्री देबब्रत पाल, विभिन्न बैंकों के प्रमुख एवं ऋण योजनाओं से जुड़े विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए जमा वृद्धि, ऋण वितरण एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर गहन चर्चा की गई। साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कार्ययोजना तैयार करने, सभी बैंकों एवं संबंधित विभागों को लक्ष्य प्राप्ति के लिए समन्वित प्रयास करने, पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा वित्तीय समावेशन को मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

मण्डला। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्राप्त शिकायत के आधार पर कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे के निर्देशानुसार खनिज विभाग मंडला ने ग्राम डिंगराघाट, तहसील बिछिया क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। सोमवार को वाहन क्रमांक एमपी 51 एए 8286 को अंजनिया क्षेत्र अंतर्गत खनिज विभाग की टीम द्वारा पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान वाहन में रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा था। जब्त वाहन को शासकीय अभिरक्षा में लेते हुए संबंधित चौकी प्रभारी, चौकी अंजनिया की सुपुर्दगी में रखा गया है। वाहन के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई हेतु कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

विवाह | **मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से संवर रहा बेटियों का भविष्य-मंत्री श्रीमती उइके।**

विवाह सामाजिक समरसता और संस्कृतियों का संगम

*** बिछिया में 126 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

एकीकृत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर, बिछिया में बुधवार को मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बिछिया नगर निकाय एवं जनपद पंचायत क्षेत्र के कुल 126 जोड़ों ने एक-दूसरे के साथ जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया।

समारोह में जनजातीय परंपराओं और हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह संस्कार सम्पन्न कराए गए। वहीं सामाजिक समरसता की मिसाल पेश करते हुए 2 मुस्लिम जोड़ों का निकाह भी उनकी धार्मिक परंपराओं के अनुसार संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के सम्मान और सुरक्षा का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज बेटियाँ बोझ नहीं, बल्कि समाज की शक्ति हैं, और सरकार उनके विवाह से लेकर उनके उज्ज्वल भविष्य तक की जिम्मेदारी निभा रही है।

समारोह के दौरान मंत्री श्रीमती उइके ने अपने सहज और आत्मीय व्यवहार से सबका दिल जीत लिया। वे बारातियों के साथ मंच के सामने ढोल-नगाड़ों की धुन पर थिरकती नजर आईं, जिससे पूरा वातावरण उत्साह और उल्लास से भर गया।

सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने अपने उद्बोधन में कहा कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों, संस्कृतियों और परंपराओं का मिलन होता है। उन्होंने कहा कि यह योजना सामाजिक समरसता, समानता और आर्थिक सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को संदेश देते हुए कहा कि वे अपने वैवाहिक जीवन की नींव आपसी विश्वास, सम्मान और समझदारी पर रखें। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश की कोई भी पात्र बेटी आर्थिक अभाव के कारण विवाह से वंचित न रहे। यह योजना समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है और इससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। इस दौरान बिछिया विधायक श्री नारायण सिंह पट्टा ने वर-वधुओं को आर्शिवाद देते हुए कहा कि नशे से दूरी बनाएं और वैवाहिक जीवन को सुखमय बनाने का आग्रह किया।

समारोह के दौरान अतिथियों द्वारा प्रतीकात्मक रूप से हितग्राही शमा बेगम, सरस्वती आर्मो, दिव्य भावरे और भगवती घुर्वे को 49 हजार रुपये के चेक प्रदान किए गए। सभी वधुओं के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 49-49 हजार रुपये की राशि हस्तांतरित की गई।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, श्री प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रामप्यारी झारिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सकुना उइके, नगर परिषद बिछिया श्रीमती रजनी मरावी, विजय आनंद मरावी, महेंद्र पटेल, नीरज पटेल, नीरज मरकाम, एसडीएम बिछिया सुश्री सोनाली देव, सीईओ जनपद पंचायत श्री रमेश मंडावी, नगर परिषद उपाध्यक्ष श्री रानू रणजीत सिंह राजपूत, जनपद पंचायत बिछिया उपाध्यक्ष श्रीमती अर्चना पटेल, समस्त जनपद सदस्य एवं पार्षदगण सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत हिरदेनगर के कदमाही तालाब में श्रमदान साफ-सफाई कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे एवं सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् विकासखण्ड मंडला जिला मंडला के ग्राम पंचायत हिरदेनगर के कदमाही तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति हिरदेनगर के सदस्यों एवं ग्रामीणजनों के सहयोग से श्रमदान कर साफ-सफाई कार्य किया गया।

इस अवसर पर विकासखण्ड समन्वयक श्री संतोष कुमार झारिया ने कहा कि जल जल संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है जल संरक्षण का मुख्य उद्देश्य सीमित ताजे पानी के संसाधनों का सतत प्रबंधन करना, वर्तमान व भविष्य की मानवीय जरूरतों को पूरा करना और पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा करना है। यह अनमोल प्राकृतिक संसाधन की बर्बादी को रोककर जल संकट से बचने, भूजल स्तर को सुधारने और पानी की गुणवत्ता बनाए रखने की एक सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष श्री अभिषेक चौरसिया, श्री दशरथ भैना, श्री ईश्वरीय साहू इत्यादि ग्रामीणजनों की उपस्थिति रही। समिति के सचिव श्री अभिलाष दुबे ने जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

खबर संक्षेप

कार की टक्कर से पहुंची चोट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस धनराज पिता शंभुलाल यादव उम्र 38 साल निवासी भानपुर जिला रायसेन द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि में अपने साथी पूरन पिता गोपल सिंह यादव के साथ बीते हुये दिनों ग्राम सूखाखैरी शादी में शामिल होने के लिये आये हुये थें। रात के समय अपनी मोटर साईकिल से जब वापिस जा रहे थें तो कांच मंदिर के समीप एक कार क्रमांक MP49-C-1825 के चालक द्वारा अपनी कार को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये टक्कर मार दी गई जिसके चलते प्रार्थी सहित उसके साथी को चोटे आई। वही कार चालक मौके से अपनी कार को लेकर भागने में सफल होने के चलते पुलिस द्वारा प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

खेत में सो रही युवक से की मारपीट

चीचली। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम दहलवाडा निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि जब वह गांव के देवेन्द्र राजपूत के बठियारी वाले खेत में बनी टपरिया में सो रहा था और पास में ही पालतू बकरिया बंधी हुई थी। रात के लगभग 2 बजे गांव का भग्गू चौधरी एवं उसका लडका देवेन्द्र चौधरी आये और बकरियों खडे होकर किसी घटना को अंजाम देने की सोच रहे थें। इसी दौरान प्रार्थी की नींद खुल जाने पर जब उसने कहा कौन है तो दोनों पिता पुत्र ने एक राय होकर प्रार्थी के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

कार की टक्कर से पहुंची चोट

चीचली। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस गाडरवारा आजाद वार्ड निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि उसका लडका साहिल मेहरा अपने साथी आकाश मेहरा व अनिल मेहरा के साथ सूखाखैरी गये हुये थें जो वापिस आने के दौरान दिघोरी चौराहे के पास पीछे से आ रही कार क्रमांक MP20CH-5381 के चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही पूर्वक अपनी कार को चलाते हुये टक्कर मार दी गई। घटना में प्रार्थी के बेटा साहिल को चोटे आने के चलते पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

गेंद की बात पर मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ चीचली पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम कोठिया निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैं अपने घर पर बैठा था तथा घर के पीछे के ग्राउंड में ग्राम के ही लडके क्रिकेट खेल रहे थे तभी प्लास्टिक की बाल आकर मेरी भांजी वंशिका पिपरोनिया को लगी जिस कारण मेरी मम्मी संध्या बाई पाठक ने प्लास्टिक की बाल अपने पास रख ली थोडी देर बाद गांव का गौरव वोहरे हमारे घर आया और मेरी मम्मी तथा मुझे गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब उसे गाली देने से मना किया तो वह चला गया। इसके बाद जब प्रार्थी घर के बाहर टहल रहा था तो गौरव व उसका भाई सौरभ बोहरे मिले और बाल की बात को लेकर लकडी के बेट से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई।

आज की रात नर्मदा मार्गों पर भारी वाहनों की धमाचौकड़ी पर रोक लगाये जाने की उठ रही मांग, भारी भरकम वाहनों के चलते बनती खतरे की संभावना..?

कल शुक्रवार को बुद्ध व बैशाखी पूर्णिमा के चलते आज रात नर्मदा स्थान करने पैदल जाने वाले भक्तों का सड़कों पर उमड़ेगा सैलाब

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। हमारे क्षेत्र के सौभाग्य है कि गाडरवारा तहसील से माँ नर्मदा का निकलना हुआ है, जिसके चलते हमारे क्षेत्र को बडी बड़ी मुश्वितों से माँ नर्मदा सदा ही रक्षा करती चली आ रही है। मॉ नर्मदाजी मे गाडरवारा क्षेत्र की ही नही बल्कि पूरा भारत वर्ष के श्रद्धालुओं की असीम आस्था है। मगर देखा जा रहा है के माँ नर्मदाजी के संरक्षण को लेकर सरकार द्वारा की जाने वाली सभी घोषणाये मात्र एक दिखाबा साबित होने से नही चूक पाती है तो दूसरी ओर नर्मदा के लिये पैदल जाने वाले भक्तों का जीवन भी असुरक्षित महसूस किये जाने लगा है। हर माह पूर्णिमा के अवसर पर देखा जाता है कि जहां नर्मदाजी के हर घाट पर भक्तों का मेला लग जाता है तो दूसरी ओर पूर्णिमा के पहले से ही क्षेत्र की सड़को से जहां सैकड़ो संख्या में भक्त सरे भरते हुये नर्मदा के लिये निकलते है तो दूसरी ओर पूर्णिमा के पूर्व रात्रि का महौल तो इस तरह से देखने मिलता है कि नर्मदाजी के लिये पहुंचने वाले मार्गो पर मानो जन सैलाब समाने का नाम ही नही लेता है। इस स्थिति में निश्चित तौर से नर्मदाजी के लिये पहुंचने वाले मार्गो से जिस तरह रात भर भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी रहने के कारण इन भक्तों के लिये खतरा पैदा होने से नही चूक पाता है? इस बात की सच्चाई बीते हुये कुछ वर्ष पहले उस समय देखने मिल भी चुकी है जब केकरा घाट सरे भरते हुये जा रही भक्तों के ऊपर एक वाहन के चढ़ जाने के कारण उनकी जिन्दगी खतरे में पड़ने से नही चूक पाई थी? इसी बात को ध्यान में रखते हुये नर्मदा भक्तों द्वारा शासन प्रशासन के साथ साथ क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों से मांग की जा रही है कि हर माह यानि की पूर्णिमा के पूर्व रात्रि पर नर्मदा की ओर जाने वाले मुख्य मार्गो पर भारी भरकम वाहनों में मुख्य रूप से डम्फरों की धमाचौकड़ी पर एक रात के लिये प्रतिबंध लगना चाहिये। इसी प्रकार से कल शुक्रवार को बुद्व व बैशाखी पूर्णिमा के चलते आज गुरूवार की रात मां नर्मदाजी के ककरा घाट मार्ग सहित अन्य घाटों पर कल पूर्णिमा के अवसर पर पैदल स्नान करने के लिये जाने वाले भक्तों की आज रात भीड़ उमड़ने से चूकेगी। इसी के चलते आज की रात जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक सहित स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों नर्मदा भक्तों द्वारा अपेक्षा जताई गई है कि आज रात नर्मदाजी की ओर जाने वाले सभी मार्गो पर रात्रि के समय भारी वाहन मुख्य रूप से डम्फरों की धमाचौकड़ी पर रोक लगाने के आदेश देना चाहिये। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो सरकार द्वारा माँ नर्मदाजी के संरक्षण को लेकर आये दिन बड़ी बडी घोषणाये तो की जाती है। मगर उन पर अमल नही होने के कारण माँ नर्मदा लगातार प्रदूषित होने से नही बच पा रही है। यह बात अलग है कि माँ नर्मद क्षेत्र के हर तबके के लोग मॉ नर्मदा को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए क्या क्या कर रहे है यह बात सभी जानते है। मगर आये दिन क्षेत्र की पावन माँ नर्मदा को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए लोगों द्वारा जहां सफाई अभियान चलाते हुए उसे प्रदूषण व गंदगी से मुक्त किया जा रहा है। वही कुछ लोग इस प्रकार के भी देखे जाते है जो माँ नर्मदा की कृपा से अपना जीवन संभार रहे है जिसके चलत जहां प्रतिवर्ष सैकड़ो लोगों द्वारा माँ नर्मदा की नंगे पैर परिक्रमा करते हुए सुबह शाम जहां माँ नर्मदा की आरती व पूजन करने के साथ साथ हर माह अमावस्या व पूर्णिमा के अवसर पर माँ नर्मदाजी की शरण में सरे भरने से लेकर नंगे पैर पैदल पहुंचते है। इस प्रकार से आस्थावान लोगों के चलते माँ नर्मदा के हर

घाटों पर मेले का स्वरूप देखने मिलता है और वही दूसरी ओर कुछ लोग इस प्रकार से भी होते है जो माँ नर्मदाजी में गंदगी फैलाने से नही चूकते है? कुछ लोगों को इस प्रकार से भी देखा जाता है जिनके मुंह मे राम बगल मे छुरी बाली कहावत को चरितार्थ करने में भी कोई कसर नही छोड़ते है..? जिनका मॉ नर्मदा में पूजन करने का तरीका भी अनोखा होता है जो अपने घर की पूजन हवन सामग्री सहित अन्य सामग्री बड़े बड़े पालीथिनो मे लेकर पहुंचते है वही सामग्री माँ नर्मदा के निर्मल नीर में छोड़ते हुये गंदगी फैलाते हुये देखे जाते है। इस प्रकार से अपने घरों से लाई गई हवन पूजा सामग्री पालिथिन सहित नर्मदा जल मे डालकर मॉ नर्मदा के अमृत जल को प्रदूषित एवं गंदा करते हुये देखे जाते है। मगर इसके बाद भी माँ का हृदय इतना बड़ा होता है कि वह अपने आंचल को मेला करने वालों की सच्चाई को नजर अंदाज करते हुये सदा ही उन्हें आर्शीवाद देते हुये देखी जाती है। वही दूसरी ओर सरकार द्वारा माँ नर्मदा के संरक्षण की बात कहते हुये अनेक प्रकार की योजनाएं तो चलाई जा रही है। मगर दूसरी ओर जिस प्रकार से माँ नर्मदा के जल को शहरों में घरेलू उपयोग से लेकर स्थापित हो रहे उद्योगों में पहुंचाने के लिये छूट प्रदान की जा रही है उसके चलते निश्चित तौर से माँ नर्मदा का स्वरूप बदलते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि माँ नर्मदा का जल जहां शहरों में पहुंचते हुये उसका घरेलू उपयोग होने के कारण माँ नर्मदा भक्तों की आस्था को ठेस पहुंचते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर उद्योग केन्द्रो में भारी मात्रा में नर्मदा जल ले जाने के कारण हर वर्ष नर्मदा जी के जल स्तर में कमी दिखाई देने से नही भी चूक पा रही है। मगर इस ओर न तो सरकार द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान दिया जा रहा है और न ही अन्य अधिकारियों द्वारा जिसके चलते निश्चित तौर से माँ नर्मदा का अस्तित्व खतरे में पड़ते हुये दिखाई देते हुये जान पड़ रहा है? यदि माँ नर्मदाजी के प्रति सरकारों का यही रवैया यही रहा तो वह दिन दूर नही जब हम मॉ नर्मदा के सिर्फ दर्शन भर कर सकेगें उनके जल के लिये तरस जावेगें?

नगर का पुराना कालेज भवन बना शराबियों का अड्डा

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जिस शहर में कभी मुश्किल से महुआ की शराब मिलती थी। मगर अब बदले दौर में उसमें भरपूर हर ब्रांड की शराब मदिरा प्रेमियो को उपलब्ध हो रही है। किन्तु नगर में वीयरवार या अहाते न होने की स्थिति में रात में मदिरा प्रेमी युवा पानी पाऊच, डिस्पोजल, नमकीन के पैकिटो से लैस होकर शराब पीने के ठिकाने तलाशते नजर आते है, जिसका नतीजा है कि नगर के वीरान ईलाके तक खुली मधु शालाओं में तब्दील होते जा रहे है। गौरतलब है कि इन दिनों शिक्षा मंदिर कहे जाने वाले पुराने कालेज भवन के कमरो, खेल मैदान, उसके पास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बने हुए मंच पर शराब पीने की अत्याधिक शोक रखने वाले युवाओं की भीड़ जुटने लगती है और जैसे तैसे रात गहराती है समूचा पुराना कालेज ग्राउंड परिसर विविध ब्रांडो की शराब की गंध से सराबोर हो जाता है, पुरानें कालेज भवन के सामने लगी लोहे की जाली, कमरों के दरवाजे रोज शराब पीने मचलने वाले युवाओं तोड़ने से भी नही चूक रहे है और पुराने कालेज भवन के कमरो में उनके द्वारा जाम छलकाये जा रहे है। इसी तरह पुराने कालेज ग्राउंड में रात में हाईटेक युवा अपने मदिरा प्रेमी साथियो की महफिले जमा शेरो शायरी पढ़कर आनंदित हो रहे है। हासिल जानकारी के अनुसार पुराने कालेज ग्राउंड ईलाके में इन दिनों शराबियो का जमघट लगने से प्रतिदिन बिखरी खाली शराब की शीशियो, खाली डिस्पोजल, नमकीन के पैकेटो, बुझी सिगरेटों सहित नशे की लत पूरी करने के लिये उपयोग किये जाने वाले इंजेक्शनों की सीरेंज सहित अन्य सामग्री के अम्बार से आस

पास की शालाओं में पढ़ने वाली छात्र, छात्राओं, आमजनो को पुराने कालेज ग्राउंड से निकलने में तो दिक्कत होती है साथ ही वातावरण भी प्रदूषित होते हुए देखा जा रहा है। ज्ञात हो कि पुलिस कर्मी पूर्व में अनेक बार डंडा चमकाते हुए शराब पीने के आशिक युवाओं को पुराने कालेज ग्राउंड से रात में बेदखल करते हुये देखा जाता था। मगर इस समय जिस प्रकार से पुलिस की उदासीन कार्य प्रणाली देखने मिल रही है उसके चलते यह जान पड़ने से नही चूक रहा है कि शायद पुलिस द्वारा हर गैर कानूनी कार्य करने वालों को अपनी ओर से छूट प्रदान कर दी गई है जिसके चलते जिसके मन में जो आ रहा है करने पर उतारू होते हुये देखा जा रहा है। इस स्थिति में निश्चित तौर से नगर का भगवान ही मालिक रहते हुये जान पड़ रहा है? गौरतलब है कि नगर के पुराने कालेज का ग्राउंड नपा.के स्वामित्व में है जिसमें बनी बाउन्ड्री बाल बनने के बाद भी उसके गेट खुले रहने से यह खेल मैदान असुरक्षित है। इसी तरह पुराने कालेज का भवन फिलहाल अनुपयोगी उपेक्षित होने की वजह है कि यह जगह शराब प्रेमी युवाओं को जन्नत की तरह नजर आती है, जागरूक नागरिको का कहना है कि पुराने कालेज ग्राउंड पर शराबियो का जमघट लगने का प्रमुख कारण चंद कदम दूरी पर मदिरा मिलना और रात की तन्हाई प्रमुख कारण साबित हो रही है, इस प्रकार की सच्चाई को लेकर शहरवासियो ने नपा.से पुराने कालेज ग्राउंड को सुरक्षित करने और पुलिस प्रशासन से इस खेल मैदान में शराब के शौकीनो की महफिल लगने पर रोक लगाने की गुहार लगाये जाने के बाद भी पुलिस द्वारा इस ओर ध्यान न देना चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये जान पड़ रहा है।

पौधा रोपण के दौरान की गई अनदेखी बन रही परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर को हरियाली की चुनरी पहनाने के लिये अनेक समाजसेवी संस्थाओं द्वारा पौधा रोपण किया जाता है उसकी निश्चित तौर से जहां सराहना होने से नही चूक पाती है। इस तरह पर्यावरण की रक्षा करने के लिये की जाने वाली पौधा रोपण की मुहिम निश्चित तौर से सराहनीय है। मगर पौधा रोपण के दौरान स्थल का चयन करने में बरते जाने वाली लापरवाही निश्चित तौर से परेशानी का कारण बनने के साथ साथ आम लोगों के जिन्दगी के लिये खतरा पैदा करने से भी नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर में कुछ वर्ष पहले जहां तहां रोपे गये पौधा जो इस समय पेड़ बनने की ओर अग्रसर होते हुये देखे जा रहे है मगर उन पर कुल्हाडी चलाने के लिये लोगों को मजबूर होना पड़ रहा है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे

तो इन हरे भरे वृक्षों पर लोग कुल्हाडी चलाने का मन तो नही बना पाते है। मगर भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना या फिर परेशानी के चलते उन्हें इस तरह का कदम उठाने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाने लगा है। क्योंकि पौधा रोपण करने वाले संस्थाओं द्वारा स्थल का चयन करने में की गई अनदेखी का परिणाम इस तरह से किया गया है कि पौधों को मुख्य नालियों के किनारे या फिर बिजली तारों के नीचे रोपित कर दिये गये है जो अब पेड़ का रूप लेते हुये एक बड़े खतरे की ओर संकेत देने के चलते उन्हें बिजली विभाग द्वारा आये दिन लाईनों के रख रखाब के दौरान मजबूर होकर काटना पड़ रहा है या फिर जिन दुकानों व घरों के सामने इस तरह के पौधा पेड़ बन कर बिजली तारों को छूने की स्थिति में पहुंचने के कारण लोगों को खुद ही कल्हाड़ी चलाने पर मजबूर कर रहे है? इस तरह पौधा रोपण किये जाने के दौरान स्थल चयन करने में की गई अनदेखी के चलते शहर की हरियाली की चुनरी पहनाने की सोच पर मजबूरी के चलते ग्रहण लगने से नही चूक पा रहा है?

शिक्षा अधिकारी ने किया प्रयोगशाला का अवलोकन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्थानीय पीएमश्री शासकीय बीटीआई स्कूल में बीते हुये दिवस जिला शिक्षा अधिकारी डॉ अनिल कुशवाहा ने रसायन शास्त्र के नवाचारी शिक्षक के के राजोरिया द्वारा सुसज्जित प्रयोग शाला में पहुंचकर निरीक्षण किया गया। बताया जाता है कि इस दौरान राजोरिया ने उनके द्वारा वहां कराई जा रही गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुये उन्हे आवर्त सारिणी, अम्ल क्षार के प्रयोगो सहित उनके द्वारा किए जा रहे नवाचारो से अवगत कराया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी कुशवाहा ने कहा कि शिक्षक राजोरिया द्वारा नवाचारों से सुसज्जित प्रयोगशाला अन्य स्कूलों के लिए एक आदर्श बन सकती है। इस अवसर पर बीईओ चीचली वीरेंद्र राजपूत, प्राचार्य सुनीता पटैल, राजेश दुबे सहित स्टॉफ के शिक्षक उपस्थित रहे।

आखिर में क्या यही है सरकार का स्वच्छता अभियान गांवों में हेण्ड पंपों के पास लगा गंदगी का अम्बार

हरिभूमि न्यूज/ सिहोरा /बोहानी। जहां एक ओर सरकार द्वारा गांव गांव करोड़ो रूपया खर्च करते हुए स्वाच्छता अभियान चलाते हुए खूब वाही वाली लूटी जा रही है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि गांवों में लगे हुए हेण्ड पंपों के पास गंदा पानी एकत्र होने के कारण लोगों को शुद्व पीने का पानी तक उपलब्ध नही हो पा रहा है, इस स्थिति को देखते हुए जहां अधिकारियों द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान पर सबाल खड़े होते हुए देखे जा रहे है? वही दूसरी ओर लोगों द्वारा प्रदूषित पानी पीने के कारण बीमार पड़ने की भी संभावना बढ़ते हुए दिखाई देनने से नही चूक पा रही है। इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों में देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि आम लोगों के उपयोग हेतु लगे हुए हेण्ड पंप के पास इस प्रकार की स्थिति बनी हुई है कि संपूर्ण गांव की गंदी नालियों का पानी एकत्र होने के कारण हेण्ड पंप के समीप गंदगी फैल रही है। वही इस गंदे पानी के कारण हेण्ड पंप भी अब बदबूदार पानी छोड़ते हुये देखे जाने लगे है? जिसके कारण गांवों के लोग इस भीषण गर्मी के दौरान पानी के लिये यहां वहां भटकने के लिये मजबूर देखे जाने लगे है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के गांवों में लगे हुए हेण्ड़ पंपों के पास चारों ओर से गंदा पानी भरने के कारण जहां हेण्ड पंप से भी वही गंदा पानी निकलने लगता है जो पानी पीने योग्य नही होने के कारण लोगों परेशान होना पड़ रहा है। मगर इस ओर न तो पंचायतों द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही संबंधित विभाग द्वारा जिसके चलते लोगों को पीने के पानी हेतु भटकने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है, वही दूसरी ओर प्रशासन द्वारा गांव गांव चलाये जा रहे स्वाच्छता अभियान पर भी सबाल खड़े होने से नही बच पा रहे है। हेण्ड पंप की इस स्थिति को देखते हुए लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि सरकार का सपना इस सच्चाई के चलते पूरा हो पायेगा।

नगर में दौड़ रहे बगैर नम्बर प्लेट के वाहन, जिनको चलाते रहे नाबालिग

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। नगर में प्रतिदिन यातायात व्यवस्था खराब होते जा रही ही, इस समस्या की ओर अनेको बार जनसुनवाई कार्यक्रम में उपस्थित नगर के समाज सेवको द्वारा पुलिस के वरिष्ट अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया गया था फिर भी यातायात विभाग द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया जा रहा है, जिसके कारण नगर में बिना नंबर प्लेट की गाड़ी दो पहिया वाहनों में तीने सवारी, छोटे छोटे बच्चों का सरपट वाहनों को दौड़ने के साथ साथ वाहनो में कान फोडू व ककर्स हार्न लगाने का क्रम जारी है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इन दिनों नगर में चलने वाले लगभग 40 प्रतिशत टू व्हीलर वाहन व 40 प्रतिशत चौपाहिया वाहन शामिल है, जो प्रतिदिन नगर के मुख्य चौराहों से बेखौफ होकर गुजरते बगैर नबंर के वाहन दिखाई देतें है फिर भी पुलिस इन पर ना तो कोई कार्यवाही कर पा रही है ना उनको पकड़ने में कोई अंकुश अभी तक लगा पाई है, जिसके चलते नगर में इन दिनों नाबालिग बच्चों को गाड़ियां चलाने का जुनून सा दिख रहा है, जिसमें दोपहिया गाड़ियों में तीन लोग सवार होकर फर्राटे से और मस्ती करते हुए दौड़ा रहे है, जो कभी भी रास्ते से गुजरने वाले राहगिरों को अपनी चपेट में ले लेते है तथा कई बार यातायात नियमों की जानकारी के अभाव में दूसरे वाहनों को प्रभावित करते है।

बोदरी में मां महाकाली प्राण प्रतिष्ठा व श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। नगर के समीप ग्राम पंचायत बोदरी स्थित सराठे कृषि फार्म में जगत जननी मां महाकाली की प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा एवं श्रीमदभागवत कथा का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया जा रहा है। बताया जाता है कि यहा पर मंदिर निर्माण के उपलक्ष्य में मां महाकाली, भगवान भोलेनाथ परिवार, श्री हनुमान जी, भैरव दादा एवं सिद्ध दादा की प्राण प्रतिष्ठा विधि-विधान से संपन्न हो हुई। कार्यक्रम के प्रेरणास्रोत स्व. भैया लाल सराठे की स्मृति में श्रद्धा पूर्वक स्मरण करते हुए आयोजन किया गया । आयोजित श्रीमद भागवत कथा का वाचन आचार्य शिवम दीक्षित द्वारा प्रतिदिन भगवान श्री कृष्ण की विभिन्न लीलाओ के बारे में प्रवचन दिये गये जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ ने प्रतिदिन सहभागिता करते हुए लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

दिन के समय शहर मे भारी वाहनों की धमाचौकड़ी दे रही बडे खतरे का संकेत

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। महँगी कारों मे घूमने प्राशनिक अधिकारी लाख दावा करें कि शहर की यातायात व्यवस्था मे पूर्वापेक्षा सुधार हो रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि यहॉ की यातायात व्यवस्था अराजक है, जिसे पटरी पर लाने की पहले की गयी कवायद बेअसर साबित हुई है? शहर मे वाहनों की अधिकता के बावजूद जनसुरक्षा की जवाबदारी निभाने वाला विभाग अनियंत्रित गति से दिन रात धमाचौकडी करने वाली उन भारी भरकम ट्रकों पर ध्यान नही दे रहा है जो सारेआम सड़कों पर मौत का सायरन बजाकर असुरक्षा का माहौल निर्मित कर शहरवासियों को चिन्ता मे डाल रहे है। शहर की मुख्य सडकों पर धडल्लें से दौड़ रहे भारी भरकम ट्रक चालकों की हिमाकत के सामने लगता है कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने का ढोल पीटने वाले बौने साबित हो रहे है, जिसका परिणाम है कि शहर मे आवागमन जोखिम भर होता जा रहा है? समूचें शहर मे ट्रकों का कोलाहल, तेज ध्वनियॉ गूँजने से शहरवासियों के सब्र का बांध टूट रहा है और भारी भरकम ट्रकों का नो एंट्री टाइम निश्चित होने के बाद भी उनका नगर में प्रवेश करना पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सबाल खडे कर रहा है? ज्ञात हो कि कुछ वर्ष पहले नगर में रही तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी सुश्री रंजना पाटने द्वारा नगरवासियों की मांग को ध्यान में रखते हुये सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 4 बजे से शाम 6 बजे तक नगर में भारी वाहनों के प्रवेश पर निषेध करते हुये स्थाई नो एन्ट्री लागू करने का आदेश पारित करते हुये उसे सुचारू कर दिया गया था जिसके चलते नगर के प्रवेश द्वारा पर नो एन्ट्री संबंधी वोर्ड भी लगे हुये है। वही लोगों का कहना है कि जब जब नगर में भारी वाहनों के प्रवेश को लेकर नो एन्ट्री लागू करते हुए नगर में प्रवेश करने वाले स्थलों पर वोर्ड स्थापित करते हुए समय निश्चित कर दिया गया है, मगर इसके बाद भी नगर धडल्ले से भारी वाहनों का प्रवेश होना पुलिस प्रशासन की उदासीनता का प्रमाण है।

मुख्य सड़क से लेकर नर्मदा पुल पर पशुओं का डेरा, मिल रहा है बड़ी घटना का खुला संकेत

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। पशु मालिको की मनमानी व प्रशासन की उदासीनता का परिणाम है कि इस जहां तहां घूमने वाले आवारा पशु निश्चित तौर से आमजन के लिये बड़ी घटना का संकेत बनने से नही चूक पा रहे है। क्योंकि यह पशु जहां प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर के मार्गो पर अपना डेरा जमाये हुये पूरे मार्ग को अवरूद्ध करने से नही चूक रहे है, वही दूसरी ओर समीपस्थ झिकोली नर्मदा पुल के बीचों बीच बैठने वाले पशुओं से किसी दिन कोई बड़ी घटना का संकेत मिलने से नही चूक पा रहा है? अक्सर देखा जाता है कि मुख्य मार्गो पर बैठने वाहन इन पशुओं के चलते जहां वाहन चालक दुर्घटना की शिकार होना जहां आम बात हो चुकी है। वही दूसरी ओर जिस प्रकार से नर्मदा पुल पर इस समय पशुओं का डेरा जमा

हो रहा है उसके चलते आम लोगों के साथ साथ पशुओं के जीवन के लिये भी बड़ा खतरा पैदा हो रहा है, जब पुल के बीचों बीच पशुओं का डेरा होता है उस दौरान वाहन चालको का निकलना मुश्किल हो जाता है। क्योंकि उन्हें इस बात की दहशत होती है कि ऐसा न हो कि जब वह अपना वाहन निकाल रहे हो उसी दौरान कोई पशुअ आपस में डलते हुये वाहन पर न गिर जावे यदि ऐसा होता है तो निश्चित तौर से पुल के चलते वाहन चालक अपने वाहन सहित सीधे नर्मदाजी में गिरने से नही बच पायेगा, वही दूसरी ओर इस प्रकार से पुल के ऊपर पशुओं का जमावड़ा लगा रहने के कारण मूक पशुओं के जीवन को भी पूरा पूरा खतरा पैदा होने से नही बच पा रहा है। क्योंकि पशुओं के आपस में लड़ने की स्थिति में निश्चित तौर से पशुओं का नर्मदा में गिरने से बच पाना भी मुश्किल हो रहा है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो सांईखेड़ा उदयपुरा मार्ग प्रदेश स्तर का मार्ग माना जाता है जिस प्रकार दिन रात हजारों की संख्या में वाहनों का निकलना बना रहता है। मगर इसके बाद भी इस मार्ग पर पशुओं का डेरा होने के कारण निश्चित ही यह मार बड़ी घटना को आमंत्रण देने से नही चूक पा रहा है।

खबर संक्षेप

दुकान में घुसकर गाली गलौज और मारपीट की कोशिश का आरोप

अमरपुर। पुलिस चौकी अमरपुर क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपने जीजा के खिलाफ गाली गलौज और मारपीट की कोशिश का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार पारिवारिक विवाद लंबे समय से चला आ रहा है और इसे लेकर दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ है।आवेदक का कहना है कि आरोपी अक्सर शराब के नशे में विवाद करता है और धमकी देता है जिससे परिवार में भय का माहौल बना हुआ है। हाल ही में साप्ताहिक बाजार के दिन आरोपी दुकान में पहुंचकर अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगा और मारपीट पर उतारू हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच बचाव कर स्थिति को संभाला। पीड़ित ने पुलिस से मामले में जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि शिकायत प्राप्त हो गई है और मामले की जांच की जा रही है।

कक्षा 5वीं और 8वीं के अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को राहत जून में होगी पुनः परीक्षा

डिंडौरी। सत्र 2025-26 की मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण रहे कक्षा 5वीं और 8वीं के विद्यार्थियों के लिए राहत की खबर है। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देश पर इन विद्यार्थियों की पुनः परीक्षा 01 जून से 06 जून 2026 तक आयोजित की जाएगी।जिला शिक्षा केंद्र द्वारा जारी जानकारी के अनुसार परीक्षा से पहले विद्यार्थियों की तैयारी मजबूत करने के लिए स्कूल स्तर पर विषयवार अतिरिक्त कक्षाएं संचालित की जाएंगी। इससे छात्र छात्राओं को कमजोर विषयों में सुधार का अवसर मिलेगा।जिन विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट कार्य में 7 से कम अंक मिले हैं या जो अनुपस्थित रहे थे उन्हें पुनः प्रोजेक्ट कार्य पूरा कर स्कूल में जमा करना होगा।परीक्षा केंद्र पूर्व वर्ष की तरह ही बनाए जाएंगे। किसी केंद्र पर परीक्षार्थियों की संख्या 500 से अधिक होने पर राज्य शिक्षा केंद्र की अनुमति से अतिरिक्त केंद्र भी बनाए जा सकेंगे। केंद्र निर्धारण के बाद स्कूलों की मैपिंग का कार्य बीआरसीसी लॉगिन के माध्यम से 15 मई तक पूरा किया जाएगा।जिला परियोजना समन्वयक डीपीसी श्रीमती श्वेता अग्रवाल ने बताया कि परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों को गर्मी से राहत देने के लिए केंद्रों पर शीतल पेयजल ओआरएस इलेक्ट्रॉल पाउडर और ग्लूकोज पाउडर की व्यवस्था की जाएगी।कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने अभिभावकों से अपील की है कि यह बच्चों के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। समय पर तैयारी और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उनका एक साल बचाया जा सकता है।<

भीषण गर्मी के बीच राहगीरों के लिए की जा रही है शीतल पेयजल की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज राजेंद्रग्राम। ग्रीष्मकाल में लगातार बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में जनहित के कई महत्वपूर्ण प्रयास शुरू किए गए हैं। क्षेत्र के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर निःशुल्क प्याऊ संचालित किए जा रहे हैं, ताकि तेज धूप में यात्रा करने वाले राहगीरों एवं दूर-दराज के ग्रामीण अंचलों से आने वाले नागरिकों को शीतल पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सके। प्रशासन एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से बस स्टैंड, तहसील मुख्यालय और प्रमुख बाजारों जैसे व्यस्त स्थानों पर ठंडे पानी के मटकों की समुचित व्यवस्था की गई है। इन प्याऊ केंद्रों के संचालन में स्वच्छता एवं जल की शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। पेयजल पात्रों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जा रही है, जिससे राहगीरों को स्वच्छ एवं सुरक्षित जल प्राप्त हो सके।

स्लॉट बुकिंग बनी बड़ी समस्या खरीदी की रफ्तार धीमी

आम आदमी पार्टी ने दी आंदोलन की चेतावनी

डिंडौरी शहपुरा।

जिले के शहपुरा स्थित गेहूं उपार्जन केंद्र पर व्यवस्थाओं की पोल उस समय खुल गई जब आम आदमी पार्टी की जिला इकाई ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान किसानों ने खुलकर अपनी समस्याएं रखीं और खरीदी प्रक्रिया में हो रही देरी पर नाराजगी जताई।

किसानों ने बताया कि स्लॉट बुकिंग की जटिल प्रक्रिया उनके लिए सबसे बड़ी परेशानी बन गई है। तकनीकी खामियों और स्लॉट की अनुपलब्धता के कारण वे समय पर अपनी उपज केंद्र तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं। कई किसान दिनों से पोर्टल खुलने का इंतजार कर रहे हैं जिससे उनकी फसल खेतों और घरों में असुरक्षित पड़ी हुई है।उपार्जन केंद्र से मिले आंकड़ों के अनुसार अब तक 804 किसानों का पंजीयन किया जा चुका है लेकिन बीते 15 दिनों में केवल 4500 क्विंटल गेहूं की खरीदी हो सकी है। पंजीयन की संख्या और खरीदी की गति के बीच का यह अंतर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। मौजूदा हालात को देखते हुए मानसून से पहले सभी किसानों की उपज की तौल होना मुश्किल माना जा रहा है। निरीक्षण के दौरान आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष एडवोकेट निर्मल कुमार साहू ने कहा कि किसान कड़ी मेहनत से फसल तैयार करता है लेकिन उसे अपनी ही उपज बेचने के लिए भटकना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि स्लॉट बुकिंग प्रक्रिया को सरल बनाया जाए और खरीदी की गति तेज की जाए।इस मौके पर लीगल विंग के जिलाध्यक्ष लवकुश झारिया और सोशल मीडिया प्रमुख शारदा नामदेव ने भी किसानों की समस्याओं को गंभीर बताते हुए कहा कि यदि जल्द ही व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया तो पार्टी किसानों के हित में उग्र आंदोलन करेगी।अब देखना होगा कि प्रशासन इन समस्याओं के समाधान के लिए कितनी जल्दी कदम उठाता है और किसानों को राहत दिलाने में कितना सफल होता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति पर समीक्षा बैठक सम्पन्न

डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में चल रहे कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल संचय को बढ़ावा देने और वर्षा जल के अधिकतम संरक्षण के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गांव गांव में कंटूर ट्रेंच जल संरचनाएं तथा अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर वर्षा जल को अधिक से अधिक रोका जाए ताकि भूजल स्तर में सुधार हो सके। उन्होंने अधिकारियों को जल संरक्षण कार्यों में जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही जल संचय पोर्टल पर कार्यों की नियमित फोटो अपलोड करने को कहा गया जिससे कार्यों की सतत निगरानी की जा सके।।बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री दिव्यांशु चौधरी एसडीएम शहपुरा श्री ऐश्वर्य वर्मा डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक प्राचार्य शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय श्री एस के उद्दे वाटरशेड प्रभारी स्टीफन इक्का जन अभियान अधिकारी धर्मेन्द्र चौहान सीईओ समनापुर पंकज जैन सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेन्द्र कुमार जाटव कार्यपालन यंत्री पीएचई अफजल इमाम उल्ला खान कार्यपालन यंत्री पीडल्यूडी मोहित धुर्वे पीआईयू राजेश विश्वकर्मा सहित समस्त जनपद पंचायतों के सीईओ आरईएस यंत्री एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों की समीक्षा की

डिंडौरी ।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा विभाग पंचायत एवं ग्रामीण विकास जनजातीय कार्य स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास सुशासन कानून व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक के दौरान विभागीय योजनाओं की प्रगति जनहितकारी विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जिलों में विकास कार्यों को गति देने तथा आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।मुख्य सचिव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पूर्व की तुलना में शासकीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से दुर्घटनाओं में कमी आई है। उन्होंने यह भी बताया कि विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं के प्रभावी संचालन और सतत मॉनिटरिंग से सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने पर बल दिया जिससे आमजन को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। सभी अधिकारियों को विभागीय कार्यों में सतर्कता एवं समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि जिलों में किसी भी प्रकार की तथ्यहीन खबरों का प्रकाशन न किया जाए। समाचार प्रकाशित करने से पहले पर्याप्त अभिलेख एवं प्रमाण होना आवश्यक है। अपुष्ट जानकारी के प्रसार से विभाग एवं संबंधित एजेंसियों की छवि प्रभावित होती है।मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान जानकारी दी कि गेहूं उपार्जन एवं स्लॉट बुकिंग की अवधि 9 मई 2026 से बढ़ाकर 23 मई 2026 कर दी गई है।वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया डीएफओ अशोक सोलंकी जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्रियांशी जैन सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेन्द्र कुमार जाटव जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती सुमन परस्ते सहित समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

डिंडौरी में भीषण आग का कहर पूरी गृहस्थी जलकर राख

डिंडौरी।

जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम जारासुरंग में बुधवार सुबह लगभग 8 बजकर 30 मिनट पर उस समय अफरा तफरी मच गई जब एक कच्चे मकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा घर उसकी चपेट में आ गया और कुछ ही देर में गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया।मिली जानकारी के अनुसार ग्राम जारासुरंग निवासी अमृत कोर्चाम पिता सम्मेलाल उम्र लगभग 59 वर्ष के घर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग लगने के समय परिवार के सदस्य कुछ समझ पाते उससे पहले ही लपटों ने पूरे मकान को घेर लिया। घर में रखा अनाज कपड़े नगदी बर्तन सहित रोजमर्रा की सभी वस्तुएं पूरी तरह जलकर नष्ट हो गईं।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और टैंकर से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया लेकिन तब तक पूरा सामान जलकर खाक हो चुका था। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई लेकिन परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक आशंका के अनुसार शॉर्ट सर्किट या चूल्हे की चिंगारी से आग लगने की संभावना जताई जा रही है हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।घटना के बाद पीड़ित परिवार के सामने जीवन यापन का संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को शीघ्र राहत राशि एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए ताकि वे इस कठिन परिस्थिति से उबर सकें।

पेंशन हितग्राहियों के खातों में सिंगल क्लिक से राशि का अंतरण

डिंडौरी।

मध्यप्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा 29 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में भोपाल स्थित प्रतीकक्षा कक्ष से सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि का वितरण किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार माह मार्च एवं अप्रैल 2026 की पेंशन राशि एक साथ हितग्राहियों के खातों में अंतरित की गई। प्रदेश के 33 लाख से अधिक हितग्राहियों को लगभग 200.71 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से जारी की गई। इसी क्रम में डिंडौरी जिले के 21646 पेंशनरों एवं दिव्यांगजनों को 1 करोड़ 29 लाख 87 हजार 600 रुपये की राशि उनके खातों में अंतरित की गई।वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया महिला बाल विकास एवं सामाजिक न्याय अधिकारी श्याम सिंगौर पेंशनर्स दिव्यांगजन सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोल इंडिया यूनिफॉर्म ड्रेस कोड में बदलाव को मिली मंजूरी

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

भारत के प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की 490वीं बैठक में कर्मचारियों के यूनिफॉर्म ड्रेस कोड योजना में अहम बदलावों को मंजूरी दी गयी। यह संशोधन तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। मंगलवार को कंपनी की ओर से जारी आदेश के अनुसार कर्मचारियों को हर साल 12,500 रुपये का एडवांस यूनिफॉर्म खरीदने के लिए मिलेगा। इस राशि से कर्मचारी तीन या उससे अधिक जोड़ी यूनिफॉर्म खरीद सकेंगे। सबसे बड़ा बदलाव जीएसटी बिल जमा करने की समय सीमा को लेकर किया गया है। पहले कर्मचारियों को एडवांस मिलने के एक माह के अंदर बिल जमा करना होता था, जिसे अब बढ़ाकर दो माह कर दिया गया है। तय समय सीमा पर बिल जमा नहीं करने पर एडवांस राशि वेतन या अन्य देयों से वसूली जायेगी।

भू- माफियाओं में प्रशासन ने कसा शिकंजा

प्रशासन की कार्यवाही से मचा भू-माफियाओं में हड़कंप

हरिभूमि न्यूज अनुपपुर।

जिले के कोतमा नगर में लंबे समय से अवैध प्लॉटिंग और जमीन विक्रय के खेल प्रशासन की उदासीनता से फल फूल रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 हाइवे किनारे खेतों सहित नगर में भूमियों को अवैध रूप से प्लाटिंग कर करोड़ों का खेल किया जा रहा है। लगातार जिला प्रशासन के समक्ष शिकायत के बाद अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व कोतमा द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए आधा

दर्जन लोगों को नोटिस जारी की गई है। साथ ही हल्का पटवारी से जांच कर मौके की वस्तु स्थिती रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध करने की कार्यवाही की जाएगी। नोटिस पर सफेदपोशों एवं सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों के नाम सामने आने के बाद नगर में हड़कंप देखा जा रहा है। नगर के वार्ड क्रमांक 8 में बिना वैधानिक अनुमति के प्लॉटिंग कर जमीन बेचने का मामला सामने आया है। कोतमा भाजपा मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र जैन द्वारा अपने परिजनों के नाम से जमीन की अवैध प्लाटिंग का खेल खेला जा रहा था। एसडीएम ऑफिस से ममता जैन पूर्व पार्षद को अवैध रूप से भूमि का विभाजन कर विक्रय किए जाने की शिकायत मिली थी। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ प्लॉटों का पंजीयन कर बिक्री भी कर दी गई है, जो सीधे-सीधे राजस्व नियमों का उल्लंघन है। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 10 में भी भुमेश प्रसाद पिता अगस्त मुनि, संतन पाल एवं रुकमणी देवी सोनी द्वारा अवैध प्लॉटिंग कर जमीन बेचे जाने का मामला उजागर हुआ है। तहसीलदार एवं पटवारी की संयुक्त रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम कार्यालय ने इन सभी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर विधिवत नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, गुरुवार 30 अप्रैल 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

मंडियों में समर्थन मूल्य से कम दाम हो रही खरीदी

किसानों ने ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस भारतीय किसान संघ जिला इकाई द्वारा जिले की मंडियों में पहुंच कर समर्थन मूल्य से नीचे लग रही बोली पर विरोध जताया एवं प्रशासन से मांग की गई समर्थन मूल्य से नीचे बोली न लगाई जाए एक तरफ किसान कल्याण वर्ष सरकार द्वारा मनाया जा रहा है दूसरी तरफ मंडियों में गेहूं की बोली 2200- 2300 लगाई जा रही है जो समर्थन मूल्य से 250-300 रूपए कम है किसान संघ का कहना है व्यापारियों द्वारा अच्छे एफक्यू माल को भी कम दर में खरीदा जाता है जिससे किसान को उचित मूल्य नहीं मिल पाता है समर्थन मूल्य पर बोली लगे सुनिश्चित किया जाए। ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई। अब देखना होगा की ज्ञापन के बाद जिला प्रशासन द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है। मंडी प्रांगण में व्यापारियों द्वारा अनाज जमा किया हुआ रखा है जिससे किसानों को द्वारा लाया गया अनाज इतनी भीषण गर्मी में खुलेमें रखना पढ़ रहा है एवं स्वयं भी खुले में बैठने पर मजबूर है।

व्यापारियों को दिए निर्देश

किसानों द्वारा किए गए हंगामे के बाद मौके पर पहुंच कर प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मंडी सचिव कृषि उप संचालक मौके पर पहुंचकर समर्थन मूल्य पर खरीदी कराने बोली लगाए जाने का व्यापारियों से चर्चा कर निर्देश दिए कि किसानों को उचित मूल्य दिलाया जाए। किसानों की मांग करते हुए कहा गया कि किसानों की फसल समर्थन मूल्य से कम दाम पर ना किया जाए। करेली मंडी में संजय पाठक, चंद्रभान सिंह पटेल के नेतृत्व में किसानों ने समर्थन मूल्य पर खरीदी बोली लगाए जाने की मांग की। नरसिंहपुर कृषि उपज मंडी में जिला अध्यक्ष संतोष राय प्रांत सदस्य स्वदेश कोठारी कोषाध्यक्ष विष्णु पटेल मुन्ना लाल सिंह तहसील अध्यक्ष गोवर्धन सिंह राजेंद्र सिंह पटेल सहित किसान उपस्थित रहे।

किसानों को दी जाए सुविधाएं

गाडरवारा कृषि उपज मंडी में समर्थन मूल्य पर खरीदी को लेकर किसान संघ तहसील गाडरवारा तहसील साईखेडा ने नारे बाजी करते हुए किसानों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और मंडी सचिव को ज्ञापन सौंपा जिसमें समर्थन मूल्य पर खरीदी सुनिश्चित कराया जाए मांग की तथा कृषि उपज उप मंडी साईं खेड़ा जो कि बंद पड़ी हुई है उसमें विक्रय घोष प्रारंभ कराया जाए व्यापारियों के घर से खरीदी बंद कराई जाए मंडी प्रांगण में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए मुख्य गेट से अतिक्रमण हटाया जाए तथा अस्पताल रोड से मंडी तक सड़क निर्माण कराई जाए। तहसील अध्यक्ष महेश तिवारी गाडरवारा, तहसील अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह राजपूत साईखेडा, पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश खेमरिया , जिला मीडिया प्रभारी नितिन तिवारी, तहसील मंत्री विश्वनाथ शर्मा, दीवान लोधी, ब्रजमोहन सहित अधिक संख्या में किसान उपस्थित रहे।

कलेक्टर गेहूं उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बुधवार को शक्ति कारपोरेशन वेयर हाउस गुंदरई और ओम वेयर हाउस बौछार में गेहूं उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने गेहूं की नमी और एफ.ए.क्यू. गुणवत्ता का गेहूं का भी परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला आपूर्ति अधिकारी देवेन्द्र कुमार खोबरिया सहित अन्य अधिकारी और किसान मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने शक्ति कार्पोरेशन वेयरहाउस गुंदरई स्थित गेहूं उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि केन्द्र पर वर्तमान में 4 तौल-काटे संचालित हैं, जिस पर कलेक्टर ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दो अतिरिक्त तौल-काटे बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों के लिए छायादार बैठने की व्यवस्था एवं पेयजल व्यवस्था समुचित रखने के निर्देश भी दिए। इसके पश्चात कलेक्टर श्रीमती सिंह ने ओम वेयरहाउस बौछार का निरीक्षण किया। यहां भी किसानों के बैठने के लिए छायादार शेड एवं पेयजल की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित रखने के निर्देश दिए। तौल प्रक्रिया को सुगम एवं त्वरित बनाने के लिए तौल-काटों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने वेयरहाउस के अंदर जाकर पूर्व में संग्रहित गेहूं के स्टॉक का भी अवलोकन किया।

बार बार मेंटनेंस फिर भी हालत ज्यों के त्यों

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में बिजली की अघोषित कटौती अब आम बात हो गई है। व्यवस्था में सुधार के नाम पर आये दिन मेंटनेंस के नाम पर दिन दिन भर बिजली बंद रखना फिर दूसरे दिन से वही हालात निर्मित होने के चलते बिजली की आंख मिचौली से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त बना हुआ है।भीषण गर्मी के इस दौर में बिजली की आंख मिचौली खून के आंसू रुला रही है। तहसील मुख्यालय पर बिना कोई सूचना बार बार बिजली गुल होने से कूलर पंखे शोभा की सुपारी बनें हुए हैं।साथ ही जर्जर केबिल लाइन जहां तहां से जलकर गिरना और कर्मियों को रात रात भर सुधार करना सोचनीय विषय बना हुआ है।

नर्मदापुरम का प्रभारी बनने पर बधाईयों का लगा तांता

तेंदूखेड़ा विगत दिवस म प्र कांग्रेस कमेटी द्वारा तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक संजय शर्मा को नर्मदापुरम का प्रभारी नियुक्त किए जाने पर तेंदूखेड़ा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उनसे जुड़े शुभचिंतकों ने बधाईयां शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

राज्यसभा सांसद द्वारा भवन बनाने दिये 10 लाख

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस पूर्व विधायक श्री संजय शर्मा की अनुशंसा पर राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के द्वारा 10 लाख रुपए की राशि ग्राम विचुआ में भवन बनाने के लिए राशि प्रदान की गई।इसी संदर्भ में विगत दिवस संजय शर्मा की उपस्थिति में भूमी पूजन संपन्न हुआ।

कर्मचारियों को स्व-गणना कराने के निर्देश

नरसिंहपुर। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बुधवार को जिला चिकित्सालय में संचालित जनगणना के अंतर्गत स्व-गणना कैंप का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जनगणना कार्य की प्रगति का जायजा लिया। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मिश्रा एवं सिविल सर्जन डॉ. आरके चैधरी को निर्देशित किया कि जिला चिकित्सालय में पदस्थ सभी अधिकारी, कर्मचारी, सफाई कर्मचारी एवं आउटसोर्स कर्मचारियों की स्व-गणना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए, ताकि जनगणना कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो सके। जनगणना कार्य में संलग्न कर्मचारियों द्वारा वार्ड-वार्ड जाकर आम नागरिकों एवं अस्पताल में कार्यरत कर्मचारियों को जागरूक करते हुए स्व-गणना के लिए प्रेरित किया गया। इसके परिणामस्वरूप कैंप में लगभग 100 व्यक्तियों द्वारा स्व-गणना कराई गई।

पुरानी रंजिश के चलते गजराज को लाठी डंडो से उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। ठेमी थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम नयागांव में पुराने रंजिश के चलते एक अधेड़ की हत्यि किए जाने का सनसनीखेज ममला सामने आया है। नयागांव निवासी 48 वर्षीय गजराज पिता रूपसिंह सिलावट रविवार की दोपहर को सेविंग करवाने के लिए ग्राम की ही एक दुकान पर जा रहे थे, तभी रास्ते में आरोपी प्रदीप, अखिलेश और सुषमा सिलावट से उनकी किसी बात को लेकर बहस हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ कि तीनों आरोपियों ने गजराज पर लाठी-डंडों से हमला कर उसे बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया। पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस ने उसे जिला अस्पताल भिजवाया गया। जहां अस्पताल में चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत गजराज को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपितों के विरुद्ध हत्या का प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। एडीशनल एसपी संदीप भूरिया ने बताया कि आरोपियों और मृतक के परिवार के बीच लंबे समय से किसी बात को लेकर रंजिश चली आ रही थी और आरोपी अक्सर शराब पीकर गाली-गलौज करते थे। इसी विवाद के चलते प्रदीप, अखिलेश, और सुषमा सिलावट द्वारा गजराज की लाठी डंडे से मारपीट की गई।

भगवान नरसिंह महोत्सव आज, गायिका संजू बघेल देंगी प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

इस वर्ष भी भगवान श्री नरसिंह का प्रकटेत्सव हर्षोल्लास के साथ विविध कार्यक्रमों के बीच आज मनाया जायेगा। जिले के सभी संगठन, सकल हिन्दू समाज मिलकर जयंती मनायेंगे। कार्यक्रमों के तहत 30 अप्रैल को प्रात 5.30 बजे से रामधुन, प्रात 9 बजे से भगवान नरसिंह का अभिषेक, पूजन शाम 4 बजे से नरसिंह मंदिर से वाहन रैली, शाम 6 बजे एक दीप भगवान नरसिंह के नाम नरसिंह मंदिर परिसर में शाम 6-30 बजे भगवान श्री नरसिंह का प्रकट उत्सव महाआरती प्रसाद वितरण एवं रात 8 बजे भजन गायिका संजू बघेल द्वारा भजन संध्या में प्रस्तुति दी जायेगी। जाट युवा मोर्चा, श्री देव नरसिंह मंदिर ट्रस्ट एवं श्री मित्र गणेश मंडल ने बताया कि उक्त आयोजन सकल हिन्दू समाज द्वारा मनाया जायेगा। जाट युवा मोर्चा ने अपील की है कि भगवान श्री नरसिंह मंदिर से हम सबकी पहचान है जरूरत है कि जिले के समस्त स्वयंसेवी, धार्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक संगठन इसमें सक्रिय सहभागिता प्रदान करें।

गन्ने व मूंग की फसल हेतु उपलब्ध कराया जा रहा पानी

नरसिंहपुर। कार्यपालन यंत्री रा.अ.बा.लो. सागर नहर संभाग क्रमांक एक करेली एसके मालवीय ने बताया कि भीषण गर्मी के मौसम में गन्ने और मूंग की फसल के लिए बरगी नहर के माध्यम से किसानों को पर्याप्त पानी उपलबध कराया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में करेली संभाग कार्यक्षेत्र की समस्त नहरों के अंतिम छोर तक पहुंचाने के प्रयास किये जा रहे हैं। इसके अलावा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विभिन्न तालाबों में भी पानी दिया जा रहा है, जिससे भू-स्तर में भी सुधार होगा। उन्होंने बताया कि नहर का संचालन ग्रीष्म सिंचाई हेतु जून माह तक किया जावेगा। किसानों से आग्रह किया गया है कि वे नहर से पानी लेने के लिए जल उपभोक्ता संथा अध्यक्षों के माध्यम से अनुबंध कराएं। माइनर नहरों में सिंचाई के लिए पूर्व में जो पाईप इत्यादि लगाये गये हैं या नहर में कट किये गए है, उन्हें आवश्यकता न होने पर बंद कर ले। अन्यथा फसलों में जल भराव की स्थिति में आप स्वयं जबावदार होंगे।

आशा भोंसले जी के गीतों पर आधारित नृत्यांजलि का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

विश्व नृत्य दिवस के अवसर पर काया इंटरनेशनल योग की संचालिका सुश्री इंदु सिंह द्वारा एक विशेष नृत्य आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय सिनेमा की महान पार्श्व गायिका आशा भोंसले को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अमर गीतों पर आधारित एक थीम प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में कोरियोग्राफर आस्था लखेरा ने आशा भोंसले के प्रसिद्ध नृत्य गीतों जैसे पान खाये सैया हमारो, झुमका गिरा रे बरेली के बाजार में तथा कोई शहरी बाबू दिल लहरी बाबू पर मनमोहक नृत्य निर्देशन किया। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से उन्होंने न केवल गीतों की लय और भाव को जीवंत किया, बल्कि, अपने नृत्य के जरिए उन गीतों की आत्मा को भी साकार रूप दिया। इन सभी नृत्य के माध्यम से केवल शारीरिक कौशल ही नहीं, बल्कि, आशा भोंसले के गीतों की गहराई और उनके विविध मनोभावों को भी दर्शाया गया। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में आशा भोंसले के अन्य लोकप्रिय गीतों पर भी नृत्यांजलि प्रस्तुत की गई, जिसमें भाव-भंगिमा, अभिव्यक्ति और कला का अद्भुत समन्वय देखने को मिला।

पुलिस कार्रवाई से असंतुष्ट बुजुर्ग महिला पहुंची जनसुनवाई

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के ग्राम महगंवा की एक 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने पुलिस कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है। आवेदिका श्रीमती खेमाबाई गोस्वामी ने आरोप लगाया है कि उन पर और उनके पति पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, जबकि पुलिस ने मामले में न तो उनकी चोटों का सही उल्लेख किया और न ही उनका मेडिकल परीक्षण (मुलाहिजा) करवाया। शिकायती पत्र के अनुसार, घटना 13 अप्रैल 2026 की है। आवेदिका ने बताया कि गाँव के ही कुछ रसूखदार लोगों (पूजा मढ़ी, प्रीतम, विनायक पुरी, कमल पुरी और अर्चना पुरी) ने एक राय होकर उन पर और उनके पति देवपुरी गोस्वामी पर लाठियों, लात-घूंसों से हमला किया। आरोप है कि हमलावरों ने महिला का गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की और उनका मंगलसूत्र भी छीन लिया। आवेदिका का कहना है कि पुलिस कोतवाली नरसिंहपुर ने इस मामले में औपचारिकता निभाते हुए मामला तो दर्ज किया, लेकिन जानबूझकर केस को कमजोर बनाया गया। पुलिस रिपोर्ट में आवेदिका की गंभीर चोटों का कोई उल्लेख नहीं किया गया। घटना के इतने दिन बाद भी आवेदिका का चिकित्सकीय परीक्षण (मुलाहिजा) नहीं कराया गया। आरोपियों द्वारा दोबारा जान से मारने की धमकी देने के बावजूद उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। पूर्व में पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देने के बाद भी कोई कार्रवाई न होने पर, आवेदिका मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचीं। उन्होंने कलेक्टर से निवेदन किया है कि मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

जिला कलेक्टर का करकबेल क्षेत्र के गेहूं खरीदी केंद्रों पर औचक निरीक्षण, अव्यवस्थाओं पर जताई नाराजगी

किसानों को छाया, पानी, त्वरित तुलाई और पर्याप्त लेबर उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

गोटेगांव/करकबेल।

करकबेल क्षेत्र के अंतर्गत संचालित सभी गेहूं खरीदी केंद्रों पर किसानों की उपज तुलाई में लगातार हो रही अव्यवस्थाओं और किसानों की बढ़ती परेशानी की खबर जैसे ही जिला प्रशासन तक पहुंची, मंगलवार को जिला कलेक्टर नरसिंहपुर ने अपनी प्रशासनिक टीम के साथ क्षेत्र के विभिन्न उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गुंडरई, करकबेल, बौछार, नयागांव और मलाह पिपरिया सहित सभी प्रमुख गेहूं खरीदी केंद्रों का जायजा लिया गया।निरीक्षण के समय सभी केंद्रों पर बड़ी संख्या में किसान अपनी गेहूं की उपज लेकर मौजूद मिले। कई किसान पिछले दो से तीन दिनों से भीषण गर्मी के बीच केंद्रों पर डटे हुए थे और तुलाई के लिए अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे थे। केंद्रों पर लंबी कतारें, अव्यवस्थित व्यवस्था और धीमी तुलाई को देखकर कलेक्टर ने संबंधित खरीदी समितियों के प्रभारी, संचालकों एवं वेयरहाउस मालिकों से जवाब-तलब किया।लेबर और तुलाई टीम की कमी बनी देरी का कारणकेंद्र प्रभारियों द्वारा जिला कलेक्टर को बताया गया कि तुलाई लेबर की कमी तथा सीमित तुलाई टीम होने के कारण खरीदी कार्य की गति धीमी हो गई है, जिससे किसानों की भीड़ बढ़ती जा रही है। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल अतिरिक्त लेबर, हम्माल एवं तुलाई कर्मियों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए ताकि किसानों की उपज कम से कम समय में खरीदी जा सके।उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों को अनावश्यक प्रतीक्षा नहीं कराई जाए और उपार्जन प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी एवं तेज बनाया जाए।एफएक्यू गुणवत्ता के अनुसार ही हो तुलाई।निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर

ने सभी खरीदी केंद्रों को निर्देशित किया कि केवल एफएक्यू (FAQ) गुणवत्ता के गेहूं की ही खरीदी की जाए। यदि किसी किसान की उपज में नमी, कचरा अथवा अन्य गुणवत्ता संबंधी कमी पाई जाती है तो शासन के नियमानुसार उसे तत्काल फिल्टर मशीन से साफ करवाकर ही तुलाई की जाए। किसानों को बिना कारण लौटाने या परेशान करने की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए।किसानों के लिए छाया, पानी और मूलभूत सुविधाएं अनिवार्यभीषण गर्मी को देखते हुए जिला कलेक्टर ने केंद्र प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी खरीदी केंद्रों पर किसानों के बैठने के लिए पर्याप्त छायादार स्थान बनाया जाए। साथ ही शुद्ध पेयजल की समुचित एवं निरंतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि किसान दिनभर अपनी उपज के साथ केंद्रों पर प्रतीक्षा करते हैं, ऐसे में उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना खरीदी एजेंसियों की जिम्मेदारी है।किसानों से की सीधी चर्चा, सुनी समस्याएंनिरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने स्वयं किसानों के बीच पहुंचकर उनसे बातचीत की और पूछा कि प्रतिदिन कितनी मात्रा में तुलाई हो रही है तथा उन्हें किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने तुलाई में देरी, पर्याप्त हम्माल न होना, रातभर खुले में रुकना, पेयजल संकट और छाया के अभाव जैसी कई परेशानियां कलेक्टर के सामने रखीं। किसानों ने यह भी बताया कि कई केंद्रों पर एक दिन में बहुत कम ट्रालियों की तुलाई हो रही है, जिससे उनकी उपज कई दिनों तक केंद्रों पर अटकी रहती है।कलेक्टर ने किसानों को आश्वस्त किया कि किसी भी किसान की उपज खरीदी से वंचित नहीं रहेगी। शासन द्वारा निर्धारित रकबे के अनुसार सभी किसानों का गेहूं उपार्जित किया जाएगा और प्रशासन लगातार इसकी निगरानी करेगा।संयुक्त टीम ने भी की जांच, मिली कई खामियांजिला कलेक्टर के निरीक्षण के साथ ही संयुक्त कृषि आयुक्त, सहकारिता विभाग की टीम तथा गोटेगांव खाद्य विभाग की टीम ने भी सभी खरीदी केंद्रों की अलग-अलग जांच की। जांच के दौरान कई प्रकार की प्रशासनिक एवं व्यवस्थागत कमियां सामने आईं। कहीं तुलाई की गति बेहद धीमी मिली तो कहीं किसानों के लिए बैठने-पानी की समुचित व्यवस्था नहीं थी। कुछ केंद्रों पर दस्तावेजी प्रक्रिया में भी लापरवाही देखी गई।इन अव्यवस्थाओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित खरीदी केंद्र प्रभारियों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की समझाइश दी गई तथा चेतावनी दी गई कि यदि व्यवस्थाएं शीघ्र दुरुस्त नहीं हुईं तो संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।प्रशासन ने किसानों से की शांति बनाए रखने की अपीलप्रशासनिक अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान उपस्थित किसानों से शांति बनाए रखने का अनुरोध किया और भरोसा दिलाया कि सभी किसानों की उपज की खरीदी होगी। किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने तथा केंद्र प्रभारियों से समन्वय बनाए रखने की भी अपील की गई।जिला कलेक्टर के इस औचक निरीक्षण के बाद किसानों को उम्मीद जगी है कि खरीदी केंद्रों पर लंबे समय से चली आ रही अव्यवस्थाओं में अब सुधार होगा और उनकी गेहूं उपज का उपार्जन तेजी से हो सकेगा।